26.01.2021

'भारत पर्व' के अवसर पर संबोधन

स्थल : किला राय पिथौरा, दिल्ली

- भारत पर्व के इस कार्यक्रम में सम्मिलित होकर मुझे अत्यंत प्रसन्नता का अनुभव हो रहा है।

- आज के दिन यानी 26 जनवरी, 1950 को विश्व के सबसे बडे संविधान को भारत की जनता ने अपने आपको समर्पित किया था। हमारे संविधान को देश के मनीषियों ने अपने कठिन परिश्रम से बनाया था। मैं आज उन मनीषियों को नमन करता हूं। उन क्रांतिकारियों को भी नमन करता हूं जिनके बलिदान से देश को आजादी मिली।

- यह संविधान आज भी हमारे मार्गदर्शक के रूप में सम्पूर्ण समाज को, देश को एक साथ जोडने और हमारे संवैधानिक दायित्वों, जिसमें अधिकार और कर्त्तव्य दोनों शामिल हैं, के पालन में हमारा मार्गदर्शन करता है।

- इस संविधान के कारण ही आज हमारा देश विश्व का सबसे बडा लोकतंत्र है। सत्तर वर्षों की यात्रा में हमारा लोकतंत्र और मजबूत एवं सशक्त हुआ है, प्रभावी हुआ है।

- हमारे संविधान ने देश की बहुरंगी संस्कृति की रक्षा करने और उसे और अधिक सशक्त करने की जो भावना हमारे अंदर स्थापित की है, वह अद्भुत है।

- जब हमारा देश स्वतंत्र हुआ था तो उस समय बहुत से अन्य देशों ने भी स्वतंत्रता प्राप्त की थी। परन्तु हमारे संविधान और हमारी लोकतान्त्रिक परम्पराओं ने हमें संवैधानिक आदर्शों और मूल्यों पर प्रतिबद्धता के साथ चलने की शक्ति दी है।

- भारत विविधताओं से भरा देश है। यह विविधता जीवन के हर अंग में दिखती है चाहे वह कला हो, संगीत हो, नृत्य हो, वेश भूषा हो या खान पान हो। आज हम अपने देश की इसी सांस्कृतिक विविधता और उसमे निहित एकता का उत्सव अर्थात् भारत की भावना का उत्सव मना रहे हैं।

- 28 राज्यों और 7 केन्द्रशासित प्रदेशों की कला एवं संस्कृति को एक ही चीज जोड़ती है और वह है भारतीयता।

- आज के कार्यक्रम में देश की अलग अलग राज्यों के कलाकार अपनी कला एवं संस्कृति का प्रदर्शन करेंगे। हमारे देश में प्राचीन काल से भिन्न-भिन्न विचारों, धर्मों, भाषाओं एवं जातीय समूहों के लोग एक साथ मिलकर रहते हैं। एक दूसरे के विचारों को समझना और उनसे लाभ उठाना हमारी सबसे बड़ी शक्ति है।

- भारत पर्व कार्यक्रम के द्वारा हमारी इसी शक्ति को अभिव्यक्त करने का प्रयास किया गया है। विचारों के आदान-प्रदान से संस्कृति समृद्ध होती है और देश सशक्त होता है।

- विविधता में एकता हमारी गौरवमयी संस्कृति का सबसे महत्वपूर्ण तत्व है जो 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' के निर्माण के लिए हमें सामूहिक भावना के साथ कार्य करने को प्रेरित करती है।

➢ ‘एक भारत श्रेष्ठ भारत’ का उद्देश्य एक ऐसे राष्ट्र का निर्माण है जो आत्मनिर्भर हो, आत्मविश्वास से परिपूर्ण हो तथा जो 21वीं सदी की चुनौतियों के लिए तैयार हो।

➢ ‘आत्मनिर्भर भारत कार्यक्रम’ ‘वोकल फॉर लोकल’ पर आधारित है। यह दोनों कार्यक्रम हमारे युवाओं की ऊर्जा को सकारात्मक दिशा दिखाते हुए तकनीक, मानव संसाधन, नवाचार और नई सोच का सर्वश्रेष्ठ उपयोग कर, देश के साथ-साथ सम्पूर्ण विश्व की आवश्यकताओं को गुणवत्ता के साथ पूरा करने में हमें सक्षम बनाने का हमारा प्रयास हैं।

➢ मैं आप सबको इस महोत्सव के माध्यम से देश में सांस्कृतिक संबंधों के मजबूत बनाने के लिए बधाई देता हूँ। यह "कला" के साथ "कल्याण" का अद्वितीय मिश्रण है।

➢ हमारे ऋषि मुनियों ने ऐसे ही विश्व की कल्पना की है जहां कला, संस्कृति और मानवीय मूल्य मानव को मानव से जोड़ते हैं। आज के समाज को, आज के विश्व को ऐसे सन्देश की आवश्यकता है।

➢ आज इस कार्यक्रम के माध्यम से हम यह संदेश देश के कोने-कोने में पहुंचाएंगे कि विविधताएं हमें खंडित नहीं करती बल्कि हमें जोड़ती हैं, हमें मजबूत बनाती हैं, सशक्त भारत-आत्मनिर्भर भारत के निर्माण की मजबूत नींव रखती है।

➢ मुझे पूर्ण विश्वास है कि भारत पर्व के माध्यम से आज हम सम्पूर्ण विश्व को न्याय, स्वतंत्रता, समानता, एकता, भाईचारे और शांति के मूल्यों पर आधारित हमारी संस्कृति का संदेश देंगे। धन्यवाद। जय हिन्द।